पेज थ्री देहरादून

रैतिक परेड का नजारा।

देहरादून, रविवार 10 नवंबर, 2019

पेज 8

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री निशंक और सीएम ने किया फैसले का स्वागत

(संवाददाता) देहरादून। अयोध्या विवाद पर आज सुप्रीम कोर्ट ने अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया। इस फैसले का उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भी स्वागत किया है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। वहीं केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने अयोध्या मसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट से आए ऐतिहासिक फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने पूरे देश को न्याय व्यवस्था पर विश्वास रख फैसले का शांतिपूर्वक स्वागत करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में विवादित जमीन का हक रामजन्म भूमि न्यास को दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने सुन्नी वक्फ बोर्ड को अयोध्या में दूसरी जगह जमीन देने का आदेश दिया है।

कांग्रेस ने लगाए दो मंत्रियों गंभीर आरोप

(संवाददाता) देहरादून। आयुर्वेदिक छात्रों के आंदोलन को कांग्रेस ने समर्थन दिया है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव प्रकाश जोशी ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रकाश जोशी ने कहा है कि निजी आयुष कॉलेज और शासन की सांठगांठ से सभी नियमों को ताक पर रखकर निजी कॉलेजों ने फीस में तीन गुना वृद्धि की है। कांग्रेस विरोध कर रहे छात्रों के साथ है। प्रकाश जोशी ने सरकार पर आरोप लगाया है कि सरकार एचआरडी मिनिस्टर रमेश पोखरियाल निशंक और हरक सिंह रावत के दबाव में काम कर रही है इसी लिये फीस को बढ़ाया गया है। हाईकोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने के बाद भी सरकार कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं कर रही है।

सुनीता रावत को मिलेगा फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार

(संवाददाता) देहरादून। उत्तराखंड की रहने वाली सुनीता रावत को दिसंबर माह के पहले सप्ताह में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा फ्लोरेंस नाइटेंगल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। सुनीता रावत गांधी शताब्दी अस्पताल के नेत्र रोग विभाग और गाइनी विभाग में कार्य करती हैं। बता दें कि सीनियर नर्स सुनीता रावत को यह पुरस्कार जन स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जा रहा है। वर्तमान में वह राजकीय गांधी शताब्दी विज्ञान केंद्र अस्पताल में सिस्टर इंचार्ज का कार्यभार संभाल रही हैं। सुनीता रावत अब तक 60 हजार नेत्र रोगियों के ऑपरेशन में अपना सहयोग दे चुकी हैं। गांधी शताब्दी अस्पताल में नेत्र रोग विभाग एवं महिला बैंक की स्थापना में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मी सम्मानित

रैतिक परेड

- पुलिस लाइन में रैतिक परेड का आयोजन

रैतिक परेड में सलामी लेते मुख्यमंत्री।

देहरादून। **संवाददाता**

राज्य स्थापना दिवस के मौके पर देहरादून पुलिस लाइन में रैतिक परेड का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने शिरकत की। मुख्य अतिथि उत्तराखंड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने परेड की सलामी ली। केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक भी पुलिस लाइन में मौजूद रहे। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ आईएएस अफसर भी मौजूद रहे। प्रमुख सचिव आंनद वर्धन, मनीषा पंवार, आयुक्त गढ़वाल रविनाथ रमन, सचिव डॉ. आर मीनाक्षी सुंदरम, पंकज पांडेय, सचिव हरबंश सिंह चुघ भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। स्थापना दिवस के मौके पर परेड मार्च पास्ट के अलावा पुलिस की अलग–अलग इकाइयों ने साहसिक खेलों का प्रदर्शन किया। आईपीएस तृप्ति भट्ट ने परेड कमांडर की भूमिका निभाई।

इस मौके पर राज्य आंदोलनकारी शहीदों को नमन करते हुये मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने राज्य निर्माण में दिवंगत पूर्व पीएम अटल बिहारी बाजपेयी के सराहनीय कार्य का उल्लेख किया। सीएम ने अपने संबोधन में अयोध्या फैसले को लेकर सभी राज्यवासियों से शांति बनाए रखने की भी अपील की।

वहीं, राज्यपाल द्वारा पुलिस सेवा में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को पुलिस पदक प्रदान किया गया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने परेड की अगुवाई कर रही एसपी तृप्ति भट्ट की सराहना की। साथ ही महिला अपराध को रोकने के लिए पुलिस को बेहतर कानून व्यवस्था बनाने की अपील की।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ राज्य स्थापना दिवस का आगाज

(संवाददाता) देहरादून। राज्य स्थापना दिवस पर राजधानी में सांस्कृतिक झांकियों से कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सांस्कृतिक शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। खास बात यह थी कि शोभायात्रा में न केवल उत्तराखंड से जुड़ी झांकियां मौजूद थी, बल्कि देश के तमाम राज्यों की झांकियां भी इस यात्रा में देखने को मिली। स्थापना दिवस के मौके पर रंग–बिरंगे परिधानों के साथ तमाम झांकियां सुबह ही रवाना कर दी गई। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत और उच्च शिक्षा राज्य मंत्री धन सिंह रावत ने पवेलियन ग्राउंड से इन झांकियों को रवाना किया। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तराखंड की विभिन्न संस्कृतियों की झलक दिखाई दी।

विविधता में एकता ही दुनियां में भारत की पहचानः रक्षामंत्री

राज्य स्थापना दिवस

"भारत भारती उत्सव" में भारत की सांस्कृतिक एकता के विविध रंग देखने को मिले

भारत ही एक ऐसा देश, जहां संस्कृति एक–दूसरे को जोड़ती है

स्थापना दिवस पर दीप प्रज्वलित करते केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, रमेश पोखरियाल निशंक, मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत व अन्य।

संवाददाता

देहरादून। दून के परेड मैदान में आयोजित उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विविधता में एकता केवल भारत में है। हमारे देश को हमारी पुरातन संस्कृति जोड़ती है। संस्कृति में उदारता, सर्वधर्म समभाव केवल भारत में ही है। केवल भारत में इस्लाम के 72 फिरके मिलते हैं। किसी और देश में इतने फिरके नहीं मिलते। गुलामी के दौर में पुरातन सांस्कृतिक मूल्य गिरे, उन्होंने कहा कि सकारात्मक बदलाव युवा ला सकते हैं।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। उत्तराखंड की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समारोह की शुरुआत हुई। इसमें पंजाब, राजस्थान, मणिपुर, ओड़िशा और बंगाल आदि राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। समारोह में मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने अपने संबोधन में राज्य वर्षगांठ पर प्रदेशवासियों शुभकामनाएं दी। साथ ही आंदोलनकारियों व शहीदों को श्रद्धांजलि दी। सीएम ने कहा कि 19 साल में राज्य की कैपिटल इनकम बढ़ी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शिक्षा हब बनने के चलते 33 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के बच्चे यहां शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। रैबार से स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोशिश यह है कि प्रदेश कैसे सर्वांगीण विकास करे। इस दौरान सीएम ने कई घोषणाएं की।

इस के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मेरा उत्तराखंड से गहरा नाता है। राज्य गठन के दौरान मैंने कई दस्तावेजों में हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है, यहां हर गांव से लोग सेना में हैं। यहां चारधाम और गांव–गांव सैन्य धाम है। वहीं अब उत्तराखंड विद्या धाम बन चुका है। देशभर से बच्चे यहां शिक्षा ग्रहण करने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में देश कई हैं, लेकिन राष्ट्र केवल भारत है। यहां अलग–अलग कल्चर एक दूसरे को जोड़ते हैं। विविधता में एकता केवल भारत में है। इसे संस्कृति जोड़ती है।

अयोध्या भूमि विवादः सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करते है हमः हरीश रावत

(संवाददाता) देहरादून। अयोध्या भूमि विवाद में बाबरी मामले पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का पूर्व मुख्य मंत्री हरीश रावत ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि हम कोर्ट के फैसले स्वीकार करते हैं। देश में शांति, सौहार्द व भाईचारा बना रहे यही सबसे ज्यादा जरूरी है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने दशकों तक चले अयोध्या विवाद पर शनिवार को फैसला सुना दिया है। पांच जजों की संवैधानिक पीठ ने विवादित जमीन पर रामलला के हक में निर्णय सुनाया। शीर्ष अदालत ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार को राम मंदिर बनाने के लिए तीन महीने में एक ट्रस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, अदालत ने कहा कि 2.77 एकड़ जमीन केंद्र सरकार के अधीन ही रहेगी। साथ ही मुस्लिम पक्ष को नई मस्जिद बनाने के लिए अलग से पांच एकड़ जमीन देने के भी निर्देश हैं। इसके अलावा कोर्ट ने निर्मोही अखाड़े और शिया वक्फ बोर्ड के दावों को खारिज कर दिया है। हालांकि निर्मोही अखाड़े को ट्रस्ट में जगह देने की अनुमति को स्वीकार कर लिया गया है।

शहीदों को दी श्रद्धाजंली

(संवाददाता) देहरादून। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने समस्त उत्तराखण्डवासियों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए राज्य आन्दोलन के शहीदों का भावपूर्ण स्मरण किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ.-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०-
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।